# समाचार

## हृदय सक्रिय: कमीशनों की बैठक

पीस कमीशन की बैठक के दौरान ली गई एक तस्वीर। फोटो: विलहेम अंगर

**विज्ञप्ति जारी करने की तारीख:** गुरुवार, 20 अप्रेल 2017

बगोटा, कोलंबिया – एमडबल्यूसी 2027 रिनेवल कार्यक्रम, जर्मनी के ऑग्सबर्ग में आयोजित किया गया था, इस कार्यक्रम के पहले और बाद में एमडबल्यूसी की निर्णय समितियों और कार्य करने वाले समूहों की बैठकें भी सम्पन्न हुईं, जिसमें मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस के चारों कमीशन भी सामने सामने इकट्ठा हुए। इन चार कमीशनों के नाम हैं: डीकन्स कमीशन, मिशन कमीशन, फेथ एण्ड लाइफ एण्ड पीस कमीशन।

कमीशनों के सदस्य संसार भर से लिए गए स्वयंसेवी हैं जो जनरल काँउन्सिल का प्रतिनिधित्व करते हैं या देखभाल, सेवा, धर्मविज्ञान, और शान्तिसेवा के क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं तथा वे एमडबल्यूसी नेकवर्कों में संसाधनों को सामने लाने और संगति को बढ़ावा देने के लिए कार्य करते हैं। कमीशनों में आठ सदस्य हैं (मिशन कमीशन में नौं) जिसमें एक सभापति और एक अंशकालिक सचिव कर्मचारी भी शामिल है।

### मिशन के लिए नेटवर्किंग

मिशन कमीशन ने ''मिशन में परमेश्वर के लोग: ऐनाबैपटिस्ट दृष्टिकोण'' विषय पर इसके उद्देश्यों और ढाँचे के सम्बन्ध में वार्तालाप में भाग लिया, यह विषय मिशन धर्मविज्ञान का एक कथन है जिसका अनुमोदन 2015 में किया गया था; कमीशन ने मिशन धर्मविज्ञान कथन पर आधारित मिशन पर एमडबल्यूसी की मार्गदर्शिका को तैयार करने के विषय पर भी चर्चा की। उन्होंने केन्या में 2018 में होने वाली अगली बैठक की भी योजना तैयार की जिसमें विस्तारित नेटवर्कों, जीएएसएन (ग्लोबल ऐनाबैपटिस्ट सर्विस नेटवर्क) और जीएमएफ (ग्लोबल मिशन फैलोशिप) के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और उनके साथ मिलकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

### फेथ एण्ड लाइफ (विश्वास और जीवन) के आगे का अध्ययन

फेथ एण्ड लाइफ कमीशन ने अपना अधिकांश समय एक दूसरे का दृष्टिकोण इस विषय पर सुनने में व्यतीत किया कि ''परस्पर जवाबदेही'' को बढ़ावा देने का क्या अर्थ है। उन्होंने एमडबल्यूसी में धर्मविज्ञान के विकास को बढ़ावा देने के लिए अनेक अन्य पहल पर भी चर्चा किया, जिसमें महिला धर्मज्ञानी नेटवर्कों के उदय और स्थान स्थान पर जाकर शिक्षा देने वाले शिक्षकों को एमडबल्यूसी के सदस्य कलीसियाओं से जोड़ने के जारी प्रयासों पर भी चर्चा शामिल है।

## शान्ति के लिए संसाधन

शान्ति आयोग (पीस कमीशन) के पास व्यक्तियों, मण्डलियों, और कॉन्फ्रेंसों के लिए बहुत से संसाधन है। कमीशन द्वारा मूल निवासियों के साथ सौहार्द के सम्बन्ध में एक वक्तव्य पर कार्य किया जा रहा है और साथ ही विवेक की आवाज सुन कर आपत्ति करने (काँशियस आब्जेक्शन) के सम्बन्ध में भी एक वक्तव्य को रूप देने का कार्य आरम्भ किया गया है। उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में अपना पक्ष रखने और आन्तरिक संघर्ष से सम्बन्धित वर्तमान में विद्यमान मार्गदर्शिकाओं का पुनरावलोकन किया है, और केन्या में 2018 में संचालन समिति की एक बैठक की योजना के साथ विश्वव्यापी ऐनाबैपटिस्ट शान्ति नेटवर्क (ग्लोबल ऐनाबैपटिस्ट पीस नेटवर्क) की सम्भावना के आरम्भिक विकास पर भी कार्य जारी रखा है।

शान्ति रविवार (पीस सण्डे – अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस, 21 दिसम्बर के सबसे पास वाले रविवार) के लिए, शान्ति कमीशन द्वारा आराधना विधि तैयार की जाएगी जो 2017 में ‘‘सेतुओं का निर्माण’’ (बिल्डिंग ब्रिजेस) और 2018 में ‘‘परदेशियों की पहुनाई’’ विषय पर केन्द्रित होगा।

## कलीसियाओं की देखभाल

अपनी बैठकों में, डीकन कमीशन ने अपने और विश्वव्यापी डीकनों के कार्यों और भूमिकाओं को स्पष्ट किया। कलीसिया के इन वरिष्ठ अगुवों (जो एमडबल्यूसी के व्यापक कार्य से परिचित हैं और अपने कॉन्फ्रेंस द्वारा अनुमोदित हैं) की एक नई नामावली तैयार की जाएगी कि वे ऐसी परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया दें जिन्हें एमडबल्यूसी द्वारा ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में, डीकन कमीशन ने कलीसियाओं को उत्साहवर्धन के पत्र भेजे हैं, जैसे कि जापान, इक्वाडोर, और तन्ज़ानिया की उन कलीसियाओं को जो भूकम्प से प्रभावित हैं। सम्प्रेषण दल के साथ मिलकर, कमीशन ने जून 2016 में एक प्रार्थना नेटवर्क का आरम्भ किया है जो प्रत्येक दो महीनों में एक ईमेल भेजता है और साथ ही व्यक्तिगत प्रार्थना निवेदनों को एकत्रित कर उचित कदम उठाता है।

2016 में कोई भी डीकन विज़िट नहीं किया गया परन्तु ग्लोबल चर्च शेयरिंग फण्ड द्वारा अंगोला, निकारागुआ, कोलंबिया, तंजानिया और भारत की परियोजनाओं को, और भूकम्प के बाद इक्वाडोर की कलीसियाओं को आर्थिक सहयोग दिया गया। सचिव हेंक स्टेनवर्स ने जनवरी 2017 में डीकनों की दक्षिण अमरीका यात्रा *(डीकन्स विज़िट)* के विषय पर जानकारी दी; उन्होंने याब्स कमेटी सदस्य ऑस्कर सुरेज़ के साथ मिलकर अर्जेंटीना में कोनो सुर सभा में भाग लिया, और फिर दोनों ने ग्लोबल डीकन मलावी के बिशप इफ्राइम दिसि के साथ मिलकर इक्वाडोर के भूकम्प प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

अन्य सभाओं में भाग लेने और कार्यकारिणी समिति की बैठकों में मनन में अगुवाई करने के साथ साथ, सभी कमीशनों के सदस्यों ने एक इतिहासकार के साथ ऑग्सबर्ग शहर का दौरा किया जिसने उन्हें धर्मसुधार और ऐनाबैपटिस्टवाद से जुड़ी घटनाओं के विषय पर जानकारियाँ दी।

सीज़र गार्सिया कहते हैं, ‘‘हमारे वैश्विक देह के हृदय के रूप में, एमडब्लयूसी कमीशन भेंट, भौतिक वस्तुएं, और संसाधनों को प्रवाहित करते हैं। वे प्रत्येक सदस्य के साथ उस आवश्यक जीवन को बाँटते हैं जो हमारी जीवित देह, हमारी वैश्विक कलीसिया के नए विकास और बढ़ोत्तरी को सम्भव बनाते हैं।’’

*– मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस विज्ञप्ति*